Daily Current Affairs
09 August 2022

Index

- संस्कृति मंत्रालय ने "भारत की उड़ान" पहल शुरू की है
- यूपी सरकार की 'पंचामृत योजना' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने की योजना
- आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को लद्दाख के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- परवाज़ मार्केट लिंकेज योजना
- सरकार ने लॉन्च किया: मिशन वात्सल्य योजना
- सीएसआईआर ने नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी को अपनी पहली महिला महानिदेशक नियुक्त किया
- राष्ट्र ने भारत छोड़ो आंदोलन की 80वीं वर्षगांठ मनाई
- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 07 अगस्त को मनाया जाता है।

Important News: National

1. संस्कृति मंत्रालय ने "भारत की उड़ान" पहल शुरू की है

चर्चा में क्यों:

- संस्कृति मंत्रालय और गूगल द्वारा भारत की अटल, अमर भावना और इसकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 'इंडिया की उड़ान' पहल की शुरुआत की गयी।

प्रमुख बिंदु:

- इंडिया की उड़ान उत्सव को दिल्ली में एक विशेष समारोह के साथ शुरू किया गया जो संस्कृति मंत्रालय और गूगल के बीच दशक भर की जारी साझेदारी का हिस्सा है।
- इंडिया की उड़ान योजना को संयुक्त उद्यम आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित किया गया है।
- इंडिया की उड़ान योजना के तहत गूगल कला और संस्कृति, द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी का अनावरण किया गया, जिसे गूगल की टीम द्वारा पिछले 75 वर्षों में उपलब्धि हासिल करने वालों और बड़े बदलाव लाने वाले क्षणों का सम्मान करने के लिए तैयार किया गया है।
- गूगल कला और संस्कृति, द्वारा तैयार की गयी प्रदर्शनी में देश की बड़ी उपलब्धियों को ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक का उपयोग करते हुए पेश किया गया हैं, जिसमें भारतीय हस्तशिल्प और देश के लिए कुछ खास करने वाली महिलाओं की कहानियां को भी शामिल किया गया हैं।
- इंडिया की उड़ान कार्यक्रम में इंडियाज गॉट टैलेंट 2022 के विजेता दिव्यांश और मनुराज द्वारा एक शानदार कार्यक्रम पेश किया गया तथा क्लिंटन सेरेजो और उनकी टीम के द्वारा एक विशेष प्रदर्शन भी प्रस्तुत की गयी, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों के कलाकारों को उनके क्षेत्र विशेष की संस्कृति और संगीत के साथ भारत की विविध ध्वनियों को जीवंत करते हुए और 'भारत की ध्वनि' बनाने के लिए एक साथ लाया गया था।

स्रोत: पीआईबी

Important News: State

2. यूपी सरकार की 'पंचामृत योजना' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने की योजना

चर्चा में क्यों:

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'पंचामृत योजना' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने की योजना का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- यूपी सरकार द्वारा पंचामृत योजना को लागत प्रभावी तकनीकी उपायों की शुरूआत और सह-फसल पद्धति को बढ़ावा देने के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।
- प्रारम्भ में इस योजना को राज्य में कुल 2028 किसानों का चयन शरद ऋतु के मौसम से पहले मॉडल भूखंड विकसित करने के लिए किया जाएगा।
- यूपी सरकार द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, पंचामृत योजना को गन्ने की उत्पादन लागत को कम करने के साथ-साथ पांच तकनीकों के माध्यम गन्ने की बुवाई के लिए एक एकीकृत ट्रेंच विधि, प्रबंधन, कचरा मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई और सह-फसल को शामिल किया गया हैं।
- यूपी सरकार की 'पंचामृत योजना' का उद्देश्य पानी की बचत और गन्ने की पराली और पत्तियों के अधिकतम उपयोग के माध्यम से लागत को कम करना, उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बचाना, अधिक उत्पादकता के लिए एक से अधिक फसलों की खेती को बढ़ावा देना और साथ ही साथ किसानों की आय में वृद्धि करना है।
- इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन किसानों को भी सम्मानित किया जायेगा जो पंचामृत योजना को लागू करते हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार की पंचामृत योजना का लक्ष्य किसानों को कृषि की लागत कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए कृषि की नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्रोत: लाइवमिंट

Important News: Awards

3. आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को लद्दाख के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों:

- तिब्बती आध्यात्मिक नेता, दलाई लामा को लद्दाख के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'dPal rNgam Duston' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- दलाई लामा को यह पुरस्कार मानवता के लिए विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश के प्रति उनके अपार योगदान के लिए प्रदान किया गया है।
- लद्दाख ऑटोनॉमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल दलाई लामा को यह छठा पुरस्कार प्रदान किया गया हैं।
- दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म की तिब्बत में सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली परंपरा गेलुग्पा परंपरा से संबंधित हैं।
- तिब्बती बौद्ध धर्म के इतिहास में अभी तक 14 दलाई लामा हुए हैं, 14वें और वर्तमान दलाई लामा 'तेनजिन ग्यात्सो' हैं।
- बौद्ध धर्म के इतिहास के अनुसार, पहले तथा दूसरे दलाई लामाओं को मरणोपरांत दलाई लामा की उपाधि प्रदान की गयी थी।
- गेलुग्पा परंपरा के उच्च लामाओं तथा तिब्बती सरकार द्वारा संयुक्त रूप से दलाई लामा का चयन किया जाता हैं।
- बौद्ध धर्म की परंपरा के अनुसार, दलाई लामा अवलोकितेश्वर और चेनरेज़िग, करुणा के बोधिसत्व और तिब्बत के संरक्षक संत के प्रतीक होते हैं।
- दलाई लामा का अनुरक्षण भारत में किया गया, दलाई लामा वर्ष 1959 के तिब्बती विद्रोह के दौरान हज़ारों अनुयायियों के साथ तिब्बत से भारत आए, तथा भारत में उनका स्वागत पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया, तथा उन्होंने दलाई लामा को धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में 'निर्वासन में तिब्बती सरकार' बनाने की अनुमति प्रदान की।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Scheme

4. परवाज़ मार्केट लिंकेज योजना

चर्चा में क्यों:

- जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा "परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम" की शुरुआत की गयी।

प्रमुख बिंदु:

- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम एक अभिनव मार्केट लिंकेज योजना है, जिसमें जम्मू और कश्मीर के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के उपाय को शामिल किया गया है।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज योजना को जम्मू और कश्मीर से कृषि और बागवानी की खराब होने वाली वस्तुओं के शिपमेंट के लिए बाजार लिंकेज समर्थन बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया हैं।
- इस योजना के तहत, सरकार द्वारा एयर कार्गो के माध्यम से खराब होने वाले फलों को ले जाने के लिए माल ढुलाई शुल्क पर 25% की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।
- इस योजना से प्राप्त होने वाली सब्सिडी को किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण मोड के माध्यम से हंस्तातरित किया जायेगा।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम को जम्मू और कश्मीर बागवानी उत्पाद विपणन और प्रसंस्करण निगम द्वारा कार्यान्वित किया गया है।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम का लक्ष्य किसानों को उनकी आय दोगुनी करने में लाभान्वित करने का प्रयास करना है।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

5. सरकार ने लॉन्च किया: मिशन वात्सल्य योजना

चर्चा में क्यों:

- महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए वर्ष 2009-10 से केंद्र प्रायोजित योजना "मिशन वात्सल्य" पूर्ववर्ती बाल संरक्षण सेवा योजना को लागू किया है।

प्रमुख बिंदु:

- मिशन वात्सल्य का उद्देश्य भारत में प्रत्येक बच्चे के लिए एक स्वस्थ और खुशहाल बचपन को सुरक्षित करना है।
- मिशन वात्सल्य का लक्ष्य बच्चो को अपनी पूरी क्षमता का पता लगाने के लिए सक्षम बनाने के अवसर सुनिश्चित करना साथ ही सभी तरह से निरंतर तरीके से फलने-फूलने में उनकी सहायता करना, एक संवेदनशील, सहायक और बच्चों के विकास के लिए समकालिक पारिस्थितिकी तंत्र, किशोर न्याय अधिनियम 2015 के जनादेश को पूरा करने में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करना तथा एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करना हैं।
- सरकार द्वारा वर्ष 2010 में एकीकृत बाल संरक्षण योजना को शुरू किया गया था जिसका वर्ष 2017 में सरकार द्वारा नाम बदलकर "बाल संरक्षण सेवा योजना" कर दिया गया तथा पुनः वर्ष 2021-22 में इस योजना का नाम मिशन वात्सल्य के रूप में नामित किया गया हैं।
- मिशन वात्सल्य अंतिम उपाय के रूप में बच्चों के संस्थागतकरण के सिद्धांत के आधार पर कठिन परिस्थितियों में बच्चों की परिवार-आधारित गैर-संस्थागत देखभाल को बढ़ावा प्रदान करती है।
- मिशन वात्सल्य को केंद्र और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के मध्य निर्धारित लागत-साझा अनुपात के अनुसार केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया गया है।

स्रोत: पीआईबी

Important News: Appointment

6. सीएसआईआर ने नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी को अपनी पहली महिला महानिदेशक नियुक्त किया

चर्चा में क्यों:

- वरिष्ठ इलेक्ट्रोकेमिकल वैज्ञानिक, नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की पहली महिला महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी की नियुक्ति पद का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगले आदेश तक, या दो वर्ष की अवधि के लिए जो भी पहले हो तक होगा।
- नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी वर्तमान वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष शेखर मांडे का स्थान लेंगी।
- इस नियुक्ति से पूर्व कलाइसेल्वी द्वारा 25 से अधिक वर्षों का शोध कार्य मुख्य रूप से इलेक्ट्रोकेमिकल पावर सिस्टम और विशेष रूप से, इलेक्ट्रोड सामग्री के विकास और ऊर्जा भंडारण डिवाइस असेंबली में उनकी उपयुक्तता के लिए घर में तैयार इलेक्ट्रोड सामग्री के इलेक्ट्रोकेमिकल मूल्यांकन पर किया गया है।
- नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी के शोधो में लिथियम और लिथियम बैटरी से हटकर, सुपरकेपसिटर और ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए अपशिष्ट से धन संचालित इलेक्ट्रोड और इलेक्ट्रोलाइट्स शामिल हैं।
- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद एक अखिल भारतीय संस्थान है जिसमें 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 दूरस्थ केंद्रों, 3 नवोन्मेषी परिसरों और 5 इकाइयों का एक सक्रिय नेटवर्क को शामिल किया गया है।
- सीएसआईआर की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय के रूप में 26 सितंबर 1942 को की गयी थी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित हैं।
- सीएसआईआर या वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पदेन अध्यक्ष भारत के प्रधान मंत्री होते हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Days

7. राष्ट्र ने भारत छोड़ो आंदोलन की 80वीं वर्षगांठ मनाई

चर्चा में क्यों:

- 8 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माने जाने वाले भारत छोड़ो आंदोलन की 80 वीं वर्षगांठ सम्पूर्ण राष्ट्र में बनायीं गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- भारत छोड़ो आंदोलन को एक शांतिपूर्ण और अहिंसक आंदोलन माना जाता है जिसका उद्देश्य केवल अंग्रेजों से भारत छोड़ने और स्वतंत्रता प्रदान करने का आग्रह करना था।
- 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी द्वारा ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया गया तथा इसी के साथ मुंबई में अखिल भारतीय काँन्ग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन को शुरू किया गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान जिसे वर्तमान में अगस्त क्रांति मैदान के रूप में जाना जाता है, में अपने भाषण में "करो या मरो" का नारा भारतवासियो को दिया।
- भारत छोड़ो आंदोलन को सम्पूर्ण भारत में तीन चरणों में शुरू किया गया था जिसमें-
  1. आंदोलन के पहले चरण में शहरी विद्रोह, हड़ताल, बहिष्कार और धरने को शामिल किया गया था।
  2. आंदोलन के दूसरे चरण में ग्रामीण इलाकों को आंदोलन में शामिल किया गया था।
  3. आंदोलन के तीसरे और अंतिम चरण में अलग-अलग इलाकों जैसे बलिया, तमलुक, सतारा आदि में राष्ट्रीय सरकारों या समानांतर सरकारों के गठन को शामिल किया गया था।
- भारत छोड़ो आंदोलन की मुख्य मांगो में फासीवाद के खिलाफ द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सहयोग पाने के लिये भारत में ब्रिटिश शासन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की मांग तथा भारत से अंग्रेज़ों के जाने के पश्चात एक अंतरिम सरकार बनाने की मांग को शामिल किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

8. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 07 अगस्त को मनाया जाता है।

चर्चा में क्यों:

- भारत में, हथकरघा बुनकरों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- हथकरघा हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है तथा आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।
- वर्ष 2022 का राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 8वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस है।
- इस वर्ष राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2022 का विषय "हथकरघा, एक भारतीय विरासत" है।
- भारत सरकार द्वारा भारत में हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक पहलों की शुरुआत की है जिसमें, व्यापक हथकरघा क्लस्टर विकास योजना, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम,

हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना तथा यार्न आपूर्ति योजना जैसी सरकारी योजनायें शामिल हैं।

- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्देश्य हथकरघा उद्योग के प्रति जागरूकता लाने के साथ साथ बुनकरों को सम्मानित करना हैं।
- हथकरघा उद्योग भारत का सबसे बड़ा उद्योग है जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- भारतीय हथकरघा क्षेत्र ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका जैसे विश्व के 20 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है।
- वर्तमान में भारत में हथकरघा उद्योग में सभी बुनकरों और संबद्ध कामगारों में 70% महिलाएं हैं।
- वर्ष 1905 में 7 अगस्त के दिन ब्रिटिश सरकार द्वारा बंगाल के विभाजन के विरोध में कलकत्ता टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन शुरू किया गया था, इसी को स्मरण करने के उद्देशय से वर्ष 2015 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में घोषित किया।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

BYJU'S EXAM PREP